# MAHD-05

## June - Examination 2019

## MA (Final) Hindi Examination

## नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

## Paper - MAHD-05

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 80**

**निर्देश :** इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**(खण्ड – अ)** **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) भारतेन्दु काल के दो नाटककारों के नाम लिखिए।

(ii) नाटक के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।

(iii) ललित निबन्ध किसे कहते हैं, दो ललित निबन्धकारों के नाम लिखिए?

(iv) आत्मकथा और जीवनी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(v) 'भाभी' रेखाचित्र का रचनाकार कौन है?

(vi) 'ठिठुरता हुआ गण–तन्त्र' की व्यंग्य–चेतना स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'चीड़ों पर चाँदनी' के पहाड़ी सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(viii) हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं के नाम लिखिए?

**(खण्ड – ब)** **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों मे परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

सत्यमेव जयते हमारा मोटो है पर झाँकिया झूठ बोलती हैं। इनमें विकास–कार्य, जनजीवन, इतिहास आदि रहते हैं। असल में हर राज्य को उस विशिष्ट बात को यहाँ प्रदर्शित करना चाहिए जिसके कारण वह राज्य मशहूर हुआ। गुजरात की झाँकी में इस साल दंगे का दृश्य होना चाहिए, जला हुआ घर और आग में झोंके जाते बच्चे होने चाहिए। पिछले साल मैंने उम्मीद की थी कि आंध्र की झाँकी में हरिजन जलाते हुए दिखाये जायेंगे। मगर ऐसा नहीं दिखा। यह कितना बड़ा झूठ है कि कोई राज्य अपने गृह–उद्योग में दंगे नहीं दिखाता। दंगे से अच्छा गृह–उद्योग तो इस देश में है ही नहीं।

3) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

उत्कर्ष की ओर उन्मुख समष्टि का चैतन्य अपने ही घर से बाहर कर दिया गया, उत्कर्ष की मनुष्य की उर्द्धोन्मुख चेतना की यही कीमत सनातन काल से अदा की जाती रही है। इसलिए जब कीमत अदा कर दी गई तो उत्कर्ष कम से कम सुरक्षित रहे, यह चिन्ता स्वाभाविक हो जाती है। राम भीगे तो भीगे, राम के उत्कर्ष की कल्पना न भीगे, वह हर बारिश में, हर दुर्दिन में सुरक्षित रहे। नर के रूप में लीला करने वाले नारायण निर्वासन की व्यवस्था झेलें पर नर रूप में उनकी ईश्वरता का बोध दमकता रहे, पानी की बूंदों की

झालर से उसकी दीप्ति छिपने न पाये।

4) 'प्रसाद के नाटकों मैं एक अतीत जीवित बोल रहा है, और वर्तमान के प्रति उसमें एक सन्देश है', चन्द्रगुप्त नाटक के आधार पर इसे स्पष्ट कीजिए।

5) 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य समझाइये।

6) हिन्दी निबन्ध के विकास में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान का उल्लेख कीजिए।

7) गीत–नाट्य की दृष्टि से अंधा–युग का मूल्यांकन कीजिए।

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

आकाश में हवाई जहाज नहीं थे और न बन ही गिर रहे थे किन्तु चारों तरफ आग दहक रही थी, जिससे लपटों की जगह कंकाल उठ रहे थे, जिसमें औरतों का सतीत्व भस्म हो रहा था, वह आग एक प्राचीन संस्कृति को भून रही थी।

9) रेखा चित्र और संस्मरण विधाओं को संक्षेप में परिभाषित कीजिए।

## (खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपका उत्तर 500 शब्दों में परिसीमित होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'अंधा युग' में सर्वाधिक प्रभावी चरित्र अश्वत्थामा का है–इस कथन को विश्लेषित करते हुए अश्वत्थामा का चरित्र–विश्लेषण कीजिए।

11) राकेश के नाटकों में स्त्री–पात्र पर्याप्त महत्वपूर्ण हैं। उनके नाटकों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

12) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है'–के प्रतिपाद्य व शिल्प की विवेचना कीजिए।

13) आत्म–कथा लिखते समय आत्मकथाकार को किन महत्वपूर्ण पक्षों को ध्यान में रखना आवश्यक है और क्यों? बतलाते हुए हिन्दी की प्रमुख आत्मकथाओं का उल्लेख करें।